लेबर बोर्ड स्टाकहोम (स्वीडन) के व्यावसायिक अनुसंधान और सूचना कार्यालय के प्रधान हैं। भारत में रहते हुये उन पर ७,६५० रुपये खर्च हुये हैं।

रानीगंज कोयला क्षेत्रों में केन्द्रीय अस्पताल

१६२३. **श्री वि० प्र० सिंह** : क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) रानीगंज कोयला क्षेत्रों के केन्द्रीय अस्पताल में खोले गये पुनर्वास केन्द्र में अब तक कुल कितने पंगु मजदूरों को बसाया जा चुका है ;

(ख) इस पुनर्वास केन्द्र में इन पंगु मजदूरों को जो दस्तकारी की शिक्षा दी जाती है उसका उन्होंने अपने जीविकोपार्जन के लिये किस ढंग से प्रयोग किया है; और

(ग) इन दस्तकारियों की सहायता से ये पंगु मजदूर प्रतिदिन कितना कमा लेते हैं ?

श्रम उपमंत्री (श्री आबिद अली) : (क) केन्द्र में १३३ पंगु खनिकों को विभिन्न तरह की दस्तकारी सिखाई गई है।

(ख) केवल अस्पताल में रहने वाले ऐसे मरीजों को जो पंगु हो, केन्द्र में ट्रेनिंग दी जाती है। अस्पताल में इलाज समाप्त होने के बाद वे ट्रेनिंग कक्षायें छोड़ देते हैं। यह नहीं मालूम कि उन्होंने ट्रेनिंग का कैसे उपयोग किया है।

(ग) सूचना प्राप्त नहीं है।

पंगु मजदूर

१६२४. **श्री वि० प्र० सिंह** : क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) १९५६-५७ और चालू वर्ष में अब तक कोयला खानों में कितने मजदूर पंगु हुये; और

(ख) पूना के कृत्रिम अंग लगाने के सैनिक केन्द्र में इन पंगु मजदूरों में से कितने मजदूरों के कौन कौन से कृत्रिम अंग लगाये गये ?

श्रम उपमंत्री (श्री आबिद अली) : (क) और (ख). सूचना प्राप्त की जा रही है जो यथासमय सभा की मेज पर रख दी जायेगी।

कोयला क्षेत्रों में केन्द्रीय अस्पताल

१६२५. **श्री वि० प्र० सिंह** : क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) कोयला खान क्षेत्रों के केन्द्रीय अस्पतालों में मनोरंजन के क्या साधन उपलब्ध किये गये हैं; और

(ख) यहां कितने बीमार मजदूरों को अब तक हिन्दी पढाई जा चुकी है ?

श्रम उपमंत्री (श्री आबिद अली) : (क) धनबाद और आसनसोल के केन्द्रीय अस्पतालों में मरीजों के लिये मनोरंजन-कमरे स्थापित किये गये हैं, जहां प्रादेशिक भाषा की पुस्तकों, सामयिक पत्र-पत्रिकाओं और दैनिक समाचारपत्रों की व्यवस्था की गई है। कुछ एक भीतरी खेल, जैसे कैरम, शतरंज, लूडो, आदि की भी व्यवस्था है।

(ख) गतवर्ष लगभग २,००० व्यक्ति हिन्दी पढ़ने आये।

क्षय-रोग आरोग्यशालायें तथा केन्द्रीय अस्पताल

१६२६. **श्री वि० प्र० सिंह** : क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) कोयला खान श्रम कल्याण निधि में से क्षय रोग से पीड़ित मजदूरों के उपचार के लिये क्या व्यवस्था की गयी है ;